हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

सीनियर सैकेण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (2023–24)

अंक योजना – हिन्दी (आधार) कोड : 502

कक्षा – बारहवीं कुल अंक : 80

सामान्य निर्देश :–

1 अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।

2 वर्णनात्माक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। बल्कि सुझाावात्मक एवं सांकेतिक हैं।

3 यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिन्दुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दें , तो उन्हें अंक दिए जाएँ।

4 मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्यानुसार नहीं , बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न संख्या	प्रश्न उपभाग संख्या	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	अंक विभाजन
1	(i)	क श्रमहीन	1
	(ii)	ख हवा का रुख अपने पक्ष में परिश्रम से ही किया जा सकता है।	1
	(iii)	ख **निरंतर परिश्रम करना**	1
	(iv)	घ **श्रमहीन तरीके से प्राप्त करने पर**	1
	(v)	ग अपनी सुविधानुसार कर्म में लगना।	1
2	(i)	ग आनन्द	1
	(ii)	ग कवयित्री ने असफलता के बादलों कोसोने के सूत्र से घेरकर रखा है।	1
	(iii)	ख विपरीत परिस्थितियों में भी आशा का दामन नहीं छोड़ना चाहिए।	1
	(iv)	क प्रसन्नता के साथ ग्रहण करती हैं।	1
	(v)	ख मनुष्य हताश न हो और समस्याओं का हल करने का प्रयास अथक भाव से करे।	1
		अथवा	
	(i)	क पकी फसल को डसने वाले	1
	(ii)	ग पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार	1
	(iii)	ख देवनदी ओर भागीरथी	1
	(iv)	ख मेहनत का फल हमेशा सुखदायी	1
	(v)	ग कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।	1

3	**(i)** **(ii)** **(iii)** **(iv)** **(v)**	ख हताशा ख आस–पास का वातावरण संगीतमय हो गया है घ किसान वर्ग के लिए घ धूप ग 1 (iii) , 2(i) , 3 (ii)	**1** **1** **1** **1** **1**
4	**(i)** **(ii)** **(iii)** **(iv)** **(v)**	ख भक्तिन की घर–संपत्ति को हथिया सकें क छल–कपट तथा शोषण पर आधारित ख कोमल क धर्म ख 1 (ii) , 2(iii) , 3 (i)	1 1 1 1 1
5	**(i)** **(ii)** **(iii)** **(iv)** **(v)**	घ सेवानिवृति के बाद मित्रों के अपने घर पर रहने की पेशकश न करने के कारण ख जिज्ञासु ग समाजपोषित सभ्यता ख सिंधु घाटी की सभ्यता में राजतंत्र स्थापित नहीं था। ग कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।	**1** **1** **1** **1** **1**
6	**(i)** **(ii)** **(iii)** **(iv)** **(v)**	ग सभी प्रकार की सूचनाओं की तत्काल प्राप्ति ख पत्रकारीय लेखन घ साक्षात्कार के समय कठिन व अनावश्यक प्रश्न करना घ प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों की खुराक भत्ते बढ़ाने की घोषणा घ लेखक विशेष को	**1** **1** **1** **1** **1**
7	**(i)** **(ii)** **(iii)** **(iv)** **(v)**	ग रीति + अनुसार ग 1 (ii) , 2(iv) , 3 (ii) , 4 (i) घ यह काम मैं आसानी से कर सकता हूँ। ग पुनरुक्ति संबंधी ख कर्मधारय	**1** **1** **1** **1**
8	**(i)** **(ii)** **(iii)** **(iv)** **(v)**	ख परमवीर चक्र क प्यारे लाल कन्या विद्यालय गाजियाबाद ग (क) और (ख) दोनों ग करतार सिंह सराबा ख संसार सुखों का घर है।	**1** **1** **1** **1** **1**
		खण्ड – ब **वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर**	

9		**प्रसंग व संदर्भ** – बादल राग व कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' **व्याख्या**– क्रान्ति से हमेशा समाज के निम्न वर्ग को लाभ व पूंजिपति वर्ग के मन में डर के भाव होते हैं। **काव्य–सौन्दर्य** – प्रतीकात्मक शब्दावली , अनुप्रास व स्वर मैत्री अलंकार, ओज गुण व मुक्त छंद आदि। **अथवा**	1 2 1
	(i) **(ii)** **(iii)** **(iv)** **(v)**	श्री रघुवीर सिंह और कैमरे में बंद अपाहिज अपाहिज व्यक्ति की पीड़ा। अपाहिज के दु:ख–दर्द को बढ़ा–चढ़ाकर दिखाकर कार्यक्रम को प्रभावशाली बना सके। अपाहिज तथा दर्शकों को रुलाकर,लोगों में अपाहिजों के प्रति सहानुभूति उत्पन्न करके कार्यक्रम को लोकप्रिय बनाना। जब अपाहिज तथा दर्शकों दोनों ज़ोर–ज़ोर से रोएं और समाज में कार्यक्रम संचालक की लोकप्रियता बढ़े।	1 1 1 1 1
10		**प्रसंग व संदर्भ** – धर्मवीर भारती व काले मेघा पानी दे **व्याख्या** – विवेकानुसार **विषेश** – विवेचनातमक शैली, वाक्य विन्यास सटीक, भाषा सहज। **अथवा**	1 3 1
	(i) **(ii)** **(iii)** **(iv)** **(v)**	जैनेंद्र कुमार और बाज़ार दर्शन अनुपयोगी / व्यर्थ या बेकार संसार की इच्छाओं ,स्वादों और आनंदों का निषेद करना। हमारी अपूर्णता का बोध कराकर, पूर्णता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करे। क्योंकि मन समस्त या संपूर्ण का अंग है , खुद कल नहीं है।	1 1 1 1 1
11	**(i)**	• भूमिका • विषय वस्तु • भाषा	1 3 1
		अथवा	
	(ii)	क • भयानक जंगल से गुजरते हुए बच्चों का रास्ते से भटक जाना। • बच्चों का अनेक डरावनी आवाज़ों से डर जाना । • घर के सदस्यों की याद आना व उनके परेशान होने के भाव जागना। • एक दूसरे पर इस समस्या का दोषारोपण करना। • अंत में अनेक कष्टों को सहते हुए , धैर्य व बहादुरी के साथ जंगल का रास्ता ढुंढ़कर ,जंगल से बाहर निकलने के उद्देश्य में सफल हो जाना। ख छात्र के उत्तरानुसार विवेकपूर्ण मूल्यांकन	 5
12	**(i)**	• पृथ्वी के आँचल में सुप्त अंकुरों का जाग जाना। • छोटे–छोटे पोधों तथा फसलों का वर्षा के बाद विकास की कल्पना। • बादलों रुपी क्रान्ति से निम्न वर्ग के जीवन के विकास की संभावना।	3

	(ii)	• समाज में समानता की संभावना बनना। • लक्ष्मण की मूर्च्छा अवस्था के कारण राम की विलापीय स्थिति । • संजीवनी बूटी के आते ही उपचार से लक्ष्मण का स्वस्थ होना। • राम का रुदन , आशा और उत्साह में बदलना।	2
13	(i)	• स्वतंत्रता,समता और भ्रातृत्व पर आधारित। • संपत्ति के अधिकार की व्यवसाय को चुनने का अधिकार। • व्यवाहरिक रूप में जीवन यापन की समान सुविधाएं। • समाज के सब लोग एक दूसरे की सुरक्षा के प्रति सजग।	3
	(ii)	• अमीर लोगों के ऐश्वर्य युक्त जीवन शैली को देखकर साधारण जन के मन में लालसा,ईर्ष्या तथा तृष्णा उत्पन्न होना। • पैसे की कमी के कारण आम जन का व्याकुल व हीन भावना का सामना करना।	2
14	(i)	• यौवनकालीन जीवन में संयुक्त परिवार के आदर्शों व नियमों के कारण उनके शौक पूरे न होने के कारण। • बच्चों के नए ज़माने की ओर अग्रसर होते हैं तो उनका साथ देने के लिए आधुनिकता का आचरण करती हैं। • यौवनकालीन जीवन के दबे शौक पूरे करने का मौका मिला है तो उन्हें पूरा करने के लिए आधुनिकता का आचरण करती हैं।	3
	(ii)	• मराठी ,अध्यापक ने उनकी बनाई गई लयबद्ध पंक्तियों को बच्चों के सामने गवाना। • स्कूल समारोह में लेखक के गाए गए गीत को सभी द्वारा पसंद करना।	2
15	(i)	यमक अलंकार – जहाँ किसी शब्द का एकाधिक बार भिन्न–भिन्न अर्थों में प्रयोग हो । जैसे– काली घटा का घमण्ड घटा।	3
	(ii)	व्यंजन संधि – व्यंजन के बाद स्वर या व्यंजन का विकार सहित मेल व्यंजन संधि। जैसे – सज्जन = सत + जन।	2
16	(i)	• कर्त्तव्य परायणता और सहिष्णुता • धैर्यवान • देशभक्त	3
	(ii)	• माता असहनीय कष्टों को सहन कर मानव जीवन का सृजन करती है। • मातृभूमि भिन्न–भिन्न श्रेष्ठ भोग्य पदार्थ देकर मानव को सार्थकता	2

		प्रदान करती है।	